सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 6
अंक : 69
अक्टूबर : 2015

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

6 | या तो दीपक बनो या उसे प्रतिबिम्बित करने वाला दर्पण
8 | समसामयिकी घटना संग्रह
10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | **आर्थिक घटना संग्रह**

- गूगल ने अपनी नई मूल कंपनी एल्फाबेट इंक को शुरू किया
- जैव ईंधन मिश्रित हाई स्पीड डीजल का शुभारंभ
- सेवा क्षेत्र के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में 15 प्रतिशत की कमी
- फोर्ब्स ने टेक्नोलॉजी क्षेत्र में विश्व के 100 अरबपतियों की सूची जारी की

23 | **राष्ट्रीय घटना संग्रह**

- नेस्ले इंडिया पर ₹ 640 करोड़ मुआवजे की शिकायत
- कोच्चि वर्ल्ड टूरिज्म में शामिल होने वाला पहला भारतीय शहर
- एनजीटी ने ताज के पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी निर्माण कार्य पर रोक लगाई

27 | **अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह**

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संयुक्त अरब अमीरात की दो दिवसीय यात्रा
- भारत–प्रशांत द्वीप सहयोग मंच की द्वितीय बैठक जयपुर में सम्पन्न
- अमरीका–भारत साइबर वार्ता वाशिंगटन में सम्पन्न
- 70वाँ हिरोशिमा दिवस पूरे विश्व में मनाया गया

31 | **खेल खिलाड़ी**

- पंकज आडवाणी ने कराची में स्नूकर चैम्पियनशिप खिताब जीता
- टोक्यो–2020 पैरालम्पिक खेलों का प्रतीक चिन्ह जारी किया गया
- टेस्ट मैच में आठ कैच लेकर रहाणे ने बनाया विश्व रिकॉर्ड
- विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में उसेन बोल्ट ने स्वर्ण पदक जीता

35 | **महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह**

लेख

38 | **इलेक्ट्रॉनिक प्रदूषण लेख**–खतरनाक स्तर पर मोबाइल रेडिएशन
39 | **प्रौद्योगिकी लेख**–सूचना का स्वतन्त्र प्रवाह है नेट न्यूट्रैलिटी
86 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
87 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 66 का परिणाम**
89 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

41 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
49 रेलवे भर्ती सेल (गोरखपुर) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
56 केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2015 (प्रथम प्रश्न-पत्र)
73 आगामी लेखपाल भर्ती (राजस्व विभाग) परीक्षा, 2015 हेतु विशेष हल प्रश्न–ग्राम समाज एवं विकास
75 आगामी उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल परीक्षा, 2015 के लिए विशेष हल प्रश्न
81 आगामी एस.एस.सी. कॉस्टेबिल भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : **2/11**-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–**2**
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–**282 005**
फोन– **4053333, 2531101, 2530966**
फैक्स– **(0562) 4053330, 4031570**
ई-मेल: सम्पादकीय: **publisher@pdgroup.in**
कस्टोमर केयर: **care@pdgroup.in**

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–**110 002**
फोन– **011-23251844/66**

➲ **पटना ऑफिस**
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–**800 003**
फोन–**0612-2673340**
मो–**09334137572**

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– **700 004**
फोन– **033-25551510**
मो– **07439359515**

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–**500 044**
फोन– **040-66753330**
मो– **09391487283**

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– **263139** (उत्तराखण्ड)
मो– **07060421008**

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– **226 004**
फोन– **0522-4109080**
मो– **09760181118**

या तो दीपक बनो या उसे प्रतिबिम्बित करने वाला दर्पण

–साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

''जीवन का अन्तिम लक्ष्य तो यही होना चाहिए कि व्यक्ति अपने सद्गुणों, सतकर्मों, सद्वचनों से अन्य लोगों को अच्छे मार्ग पर चलने लायक बनाए. यदि ऐसा भी न कर सके, तो कम-से-कम अन्य महापुरुषों के विचारों एवं सत्कर्मों का प्रचार-प्रसार करके लोगों का भला करे.''

आप सोच रहे होंगे कि क्या ये हमारे हाथ में है कि हम क्या बनें? हमारी जिंदगी कैसा आकार ले? जी हाँ! यह हमारे ही हाथ में है, न केवल हाथ में, बल्कि हमारे ही विश्वास में है कि हम क्या बनें? व कैसी जिंदगी जिएं.

आत्मज्ञानी श्री विराट गुरुजी का यह प्रसिद्ध वाक्य है कि–

''हमारी सृष्टि के रचयिता हम स्वयं हैं,
और हमसे अन्य कोई भगवान नहीं।''

यह हमारे भावों, विचारों व विश्वासों पर निर्भर करता है कि हम अपना जीवन किस प्रकार का बनाएं. हम चाहें तो दीपक बनकर जहाँ रहें, वहाँ उजियारा फैलाएं. अज्ञानतम को दूर हटाएं. घर-परिवार, संघ-समाज, देश व विश्व में व्याप्त समस्याओं को जानने, समझने, विश्लेषण करके उनका समाधान खोजने वाले दीपक स्वरूप बन जाएं. यदि ऐसा न बन सकें, तो कम-से-कम जो लोग दीप रूप हैं उन्हें अपने जीवन का आदर्श बनाकर, उनकी वाणी व विवेक को अपने भीतर जगाने वाले दीप तो बनें. दीपक न सही, तो उसे प्रतिबिम्बित करने वाला आइना तो बनें. इतने सरल, स्पष्ट व पारदर्शी तो बनें कि हमारे भीतर महापुरुषों का जीवन परिलक्षित हो सके. यदि ऐसा हो पाता है तब भी पर्याप्त है.

जैनागमों का प्रथम सूत्र 'आयारो' एक बात कहता है कि–

''एगे वयंति अदुवा वि नाड़ी ।
नाड़ी वयंति अदुवा वि एगे ॥''

अर्थात् एक तो ज्ञान को उपलब्ध मनुष्य जो कुछ कहते हैं वह बात सत्य है, तथ्यपूर्ण है. एक वे लोग जो ज्ञान को उपलब्ध तो पूर्णतया नहीं हो पाए, किन्तु ज्ञानी को जीते हैं. ज्ञानी की नाड़ी को आत्मसात कर चुके हैं. वे लोग जब कोई बात कहते हैं, तो वह भी उतनी ही तथ्यपूर्ण होती है जितनी ज्ञानी की, पूर्णता प्राप्त मनुष्य की. वे दीपक भले ही न बन पाए हों, उसे प्रतिबिम्बित करने वाले दर्पण तो हो ही गए.

यह जीवन हर दिन, हर पल हमें यह अवसर देता है कि हम जागकर, विवेक के प्रकाश में स्वयं की शक्तियों का जागरण करें, उनका सदुपयोग करें. कुछ अभूतपूर्व सृजनात्मक जिंदगी के हकदार बनें, किन्तु हमारे मध्य में अधिकांश लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं. क्यों? क्या कारण है कि हम लोग न दीपक बन पाते हैं न ही उस दीप को प्रतिबिम्बित करने वाला दर्पण? कारण है–हमारी अनुकरण करने की नकलची बने रहने की आदत. दीप से जलना न सीखो, दीप से मुसकान सीखो. सूर्य से ढलना न सीखो, सूर्य से उत्थान सीखो. सोचना है हम स्वयं, इस चित्र में कहाँ अंकित हैं. राह चलना ही न सीखो राह का निर्माण सीखो.